वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 205 | गुरुवार 23 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में बारिश का अलर्ट

जयपुर, अजमेर में सर्द हवा से बढ़ी सर्दी; माउंट आबू में 6 डिग्री पर आया पारा

जयपुर. कासं

उत्तर भारत के राज्यों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का प्रभाव खत्म होने के साथ ही मैदानी राज्यों में सर्दी फिर से बढ़ गई। उत्तरी भारत से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में 24 घंटे के दौरान तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जयपुर, अजमेर, माउंट आबू, बीकानेर में पारा गिरने और सर्द हवाएं चलने से सुबह-शाम की सर्दी तेज हो गई। सबसे कम तापमान माउंट आबू में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर के फतेहपुर में भी न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- 27 नवंबर को एक नया सिस्टम उत्तर भारत में एक्टिव होगा, जिसके असर से राजस्थान के कुछ हिस्सों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इस सिस्टम के बाद राजस्थान में तापमान और गिरेगा और सर्दी बढ़ेगी।

शेखावाटी में पारा 10 से नीचे आया

शेखावाटी के चूरू, सीकर में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। चूरू में आज न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस सीजन में दूसरी बार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया। सीकर में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसी तरह हनुमानगढ़ में 9, पिलानी में 10 और सिरोही जिले में 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

दिन में भी तापमान कम हुआ

राजस्थान में सर्द हवाओं और धुंध से दिन का तापमान भी कम हो गया। बीकानेर, चूरू, गंगानगर, जैसलमेर, अजमेर, जयपुर समेत कई शहरों में कल दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जालोर में भी आज तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जयपुर में विक्की कौशल ने स्टूडेंट्स के साथ किया डांस

जयपुर. कासं। बॉलीवुड फिल्म सैम बहादुर के प्रमोशन के लिए एक्टर विक्की कौशल जयपुर पहुंचे। यहां वह सबसे पहले अपनी टीम के साथ जगतपुरा स्थित जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी पहुंचे, जहां अपनी फिल्म के गाने 'बढ़ते चलो' पर स्टूडेंट्स के साथ डांस किया और स्टूडेंट्स में देशभक्ति का जज्बा जगाया। जेईसीआरसी के वाइस चेयरपर्सन अर्पित अग्रवाल ने विक्की का स्वागत किया। विक्की ने फिल्म सैम बहादुर फिल्म के बारे में बताते हुए कहा- यह कहानी सेना के ऐसे अधिकारी सैम मानेकशॉ की है, जो सेना के प्रति प्रेम के लिए पहचान रखता है। आज स्टूडेंट्स को इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होगी, लेकिन ये दुनिया के असली हीरो में जगह रखते हैं। मुझे भी जब यह फिल्म मिली थी, तब मुझे भी इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। बस कुछ-कुछ थी। जैसे-जैसे इनको जाना और समझा, मेरे अंदर भी बदलाव आने लगा। विक्की ने बताया- सैम मानेकशॉ देश के पहले फील्ड मार्शल थे। फील्ड मार्शल इंडियन आर्मी की सबसे सर्वोच्च रैंक होती है। उन्होंने 40 साल भारतीय सेना को दिए, पांच जंग लड़ी। 1971 की जंग जो भारत और पाकिस्तान के बीच थी। उस वक्त ये भारतीय सेना में आर्मी चीफ थे। इन्होंने ही पूरी स्ट्रैटजी बनाई थी। इस जंग में 13 दिन में जीत दिलवाई। इसके साथ ही बांग्लादेश के रूप में एक नए देश का जन्म हुआ।

जयपुर में 79 फैक्ट्रियां बंद करने की तैयारी

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से नहीं ली अनुमति, पर्यावरण को पहुंचा रही नुकसान

जयपुर. कासं

राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के एक आदेश पर विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वीकेआई) में 87 औद्योगिक यूनिट्स (फैक्ट्रियां) और रीको राजस्थान पर 7.88 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई है। इन 87 फैक्ट्रियों में से 79 यूनिट्स ऐसी हैं, जिनको तत्काल बंद करने के नोटिस जारी किया है। क्योंकि इन यूनिट्स ने कंसर्न टू ऑपरेशन के लिए बोर्ड से अनुमति ही नहीं ली है। साथ ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दरअसल, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से बिना अनुमति लिए औद्योगिक इकाइयां शुरू करने के

मामले में साल 2022 में एक याचिका एनजीटी में लगाई गई थी। इस याचिका पर सुनवाई के बाद एनजीटी ने इस पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक जॉइंट एक्शन कमेटी का गठन किया। इस कमेटी में वन विभाग, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को शामिल किया। इस कमेटी ने अपनी जांच करने के बाद पाया कि यहां संचालित सभी औद्योगिक इकाइयां बिना बोर्ड की अनुमति के चल रही है। इनमें से कई इकाइयों के जरिए गंदा वेस्ट वॉटर यहां बनाए एक नाले के जरिए छोड़ा जा रहा है। इससे पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। इसे देखते हुए इस कमेटी ने पिछले दिनों बैठक करने के बाद 87 यूनिट्स को नोटिस जारी करते हुए उन पर 1.34 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई है, जो पर्यावरण को हुए नुकसान के बदले है।

आज कोर्ट में रखी गई पालना रिपोर्ट

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से अधिवक्ता अरविंद सोनी ने बताया- कमेटी ने एनजीटी के आदेशों की जो पालना की है। उसकी रिपोर्ट बुधवार को एनजीटी भोपाल में पेश की गई। कोर्ट ने रिपोर्ट को सब्मिट करने के बाद अगली सुनवाई के लिए 13 दिसंबर की तारीख दी है। हालांकि आज रीको की तरफ से कोर्ट में पेनल्टी के ऑर्डर को रिव्यू करने की मांग रखी थी, लेकिन कोर्ट ने मना करते हुए इस पर 13 दिसंबर को सुनवाई करने की बात कही।

डॉ अर्चना शर्मा का ब्राह्मण एवं सिंधी समाज ने किया सम्मान

आज 23 नवंबर को जैन समाज करेगा प्रात: 9 बजे टोडरमल स्मारक बापू नगर में संवाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

डॉ अर्चना शर्मा को ब्राह्मण एवं सिंधी समाज ने केलो से तोला और इस दौरान स्थानीय निवासियों ने कहा कि जनता आपके साथ है इस बार पूरे मालवीय नगर में पिछले वर्षों की तुलना में सबसे ज्यादा विकास कार्य हुए हैं सड़क, सीवर लाइन विद्युत व्यवस्था सहित कई विकास के कार्य हुए हैं। डॉ अर्चना शर्मा ने आज बापू नगर में मोती सन के पीछे वाली गली शिवाड़ एरिया, पारस मार्ग,माथुर कॉलोनी, मंगल मार्ग, सावित्री पथ मोती मार्ग, साइ बाबा मंदिर, जेडीए के सामने वाली गली ज्योति मार्ग, संपूर्ण बापू नगर पियूष मार्ग, गणेश मार्ग चिकित्सालय मार्ग सावित्री पथ जगराज मार्ग आदि पर लोगो से मिलकर अपने लिए समर्थन व वोट मांगे। कनोडिया कॉलेज के सामने अर्चना शर्मा का यादव समाज वाल्मीकि समाज खंडेलवाल समाज एवं सर्व समाज द्वारा स्वागत किया गया।साथ ही राजा पार्क में वाहन रैली निकाली जिसमें गुरु नानकपुरा रामगली नंबर 1,2,3,4,5 परनामी चौराहा मोदी कॉलोनी तिलक नगर महेश नगर कीर्ति नगर व अन्य स्थानों पर जनसंपर्क किया। सत्कार शॉपिंग सेंटर पर ब्राह्मण समाज द्वारा अर्चना शर्मा का भव्य स्वागत किया गया। **आज 23 नवंबर को जैन समाज करेगा प्रातः 9 बजे टोडरमल स्मारक बापू नगर में संवादः** जैन समाज के मनीष बेद ने बताया कि 23 नवंबर को प्रातः 9 बजे टोडरमल स्मारक बापू नगर में डॉक्टर अर्चना शर्मा करेगी संवाद ।

राहुल विहार में श्री सिद्धचक्र विधान के तीसरे दिन चढ़ाए श्रीजी के समक्ष सोलह अर्घ्य

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के शमशाबाद रोड स्थित राहुल विहार के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में 20 नवंबर से गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। विधान के तीसरे दिन सौभाग्यशाली भक्तों ने बड़े भक्ति भाव से संगीतमय श्रीजी की पूजा अर्चना की और भक्ति रस में लीन नजर आए। इसके बाद सभी इंद्र-इंद्राणियों ने विधानचार्य शशिकांत जैन शास्त्री एवं प्रतिष्ठाचार्य वीरेंद्र कुमार जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मंडप पर सिद्धों के गुणों का गुणगान कर सोलह अर्घ्य समर्पित किए। विधान में मौजूद सभी भक्तों ने संगीतकार के मधुर जैन भजनों पर सुंदर नृत्य कियो विधान के सांयःकाल में सौभाग्यशाली भक्तों ने श्रीजी की संगीतमय मंगल आरती की और सभी भक्त बहुत ही प्रफुल्लित नजर आऐ रातः8:30 बजे नाटयकर बाहुबली एंड पार्टी ललितपुर के कलाकारों द्वारा बहुत सुंदर नाटक की प्रस्तुति दी इस अवसर पर विधान में रोहित जैन, अतिशय जैन, प्रिंस जैन, अतुल जैन, योगेश जैन, पवन कुमार जैन लोकचंद जैन, दीपचंद जैन, सतीश चंद जैन संजय कुमार जैन, ताराचंद जैन, विशाल जैन बंटी, सचिन जैन, समस्त राहुल विहार जैन समाज के लोगों ने विधान में सहभागिता कर आनंदित नजर आये। **रिपोर्टः शुभम जैन, आगरा**

'एवोल्विंग लाइन्स' पुणे में उदयपुर के कलाकारों की चित्रकृतियों ने बांधा समां

उदयपुर. शाबाश इंडिया

महाराष्ट्र कल्चर सेंटर, पुणे के सहयोग से इंस्पिरिट आर्ट गैलरी उदयपुर द्वारा सुदर्शन आर्ट गैलरी में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दीव, छत्तीसगढ़ और डैनमार्क, यूके के सोलह कलाकारों के चित्रों और मूर्तियों की 'एवोल्विंग लाइन्स' शीर्षक कला प्रदर्शिनी का आयोजन रखा गया। यह प्रदर्शनी सुदर्शन आर्ट गैलरी में 16 नवंबर से 21 नवंबर 2023 तक आयोजित की गई। प्रदर्शनी की क्यूरेटर डॉ. मनीषा साँचीहर ने बताया कि इंस्पिरिट आर्ट गैलरी के द्वारा इवोल्विंग लाइंस कला प्रदर्शिनी के कलाकारों की कृतियों का शोकेसिंग नेस्को, मुम्बई में करने के बाद इसे पुणे लाया गया। इसमें राजस्थान की पारंपरिक लघु चित्र शैली के चित्र, अमूर्त चित्र, रचनाचित्र और प्रसंगचित्रों सहित मूर्तियों को मनदीप शर्मा, निर्भय राज सोनी, डॉ. निर्मल यादव, डॉ. मनीषा साँचीहर, दिनेश कोठारी, सुश्री इति कच्छावा, डी बी सर की चित्रकृतियों के अलावा दीव से पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, अहमदाबाद से शोभा वर्मा और ईशा भाविषि, जयपुर से शिल्पकार हंसराज चित्रभूमि, पुणे से मानसी पालशिकर, छत्तीसगढ़ से शिल्पकार नरेंद्र देवांगन, कोल्हापुर से जावेद गुलाब मुल्ला और अन्तराष्ट्रीय कलाकार डैनमार्क से कैथरीन कार्लसन एवं यू के से एंड्रीयू हॉर्सफल की कृतियों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शिनी का संयोजन डॉ. मनीषा संचीहार ने इंस्पिरिट आर्ट गैलरी द्वारा किया। बता दें, यह पुणे में राजस्थानी कलाकारों का पहला प्रदर्शन है। उद्घाटन सत्र में महाराष्ट्र क्लचर सेंटर निर्देशक नितिन हड्डप, मुख्य अतिथि संजीव मठ, पुरातत्व विभाग डेक्कन कॉलेज प्रमुख डॉ. श्रीकांत प्रधान, मुरली लाहोटी, सुहास एकबोटे , विक्रम मराठे, भारती विद्यापीठ फाइन आर्ट कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अनुपमा पाटिल और रूपेश पंवार, झपूर्जा म्यूजिम के क्यूरेटर और प्रख्यात कलाकार राजू सुथार, रंगकर्मी शेखर नाइक, वेस्वरा गैलरी से प्रणाली हरपुड़े के साथ पुणे के कलाकार श्रीकांत कदम, पांडुरंग ताथे, जया बाहेती, गायत्री देशपांडे, अजय देशपाण्डे, अवधूतकर, बाबू सोनवाले, मूर्तिकार प्रशांत गायकवाड़, डॉ. संजय भालेराव, मनोज दरेकर, स्मृति जोशी, अमित ढाने, धृति महाजन और भारत रत्न भीमसेन जोशी के पुत्र और जाने माने कलाकार जयंत जोशी जैसे पुणे के कई प्रख्यात कलाकार मौजूद रहे। 17 नवंबर को जयपुर के शिल्पकार हंसराज कुमावत का क्ले मॉडलिंग का लाइव डेमोस्ट्रेशन और 18 नवंबर को निर्भय राज सोनी के माइक्रो लघुचित्रों का लाइव डेमोस्ट्रेशन रखा गया जिसमें सोनी द्वारा पारम्परिक लघु चित्रों में उपयोग आने वाले प्राकृतिक खनिज रंगों को तैयार करने की प्रक्रिया के साथ चने की दाल के दाने पर सिंगल हेयर ब्रश द्वारा हाथी की आकृतियों को चित्रित कर सूक्षमता की सीमा को पार कर अपने कौशल और कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया, साथ ही डॉ. निर्मल यादव और मानसी पालशिकर ने अपनी शैली में केनवास पर लाइव डेमोस्ट्रेशन दिया जिसे कैमलिन द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रदर्शिनी का समापन 21 नवम्बर को हुआ। डॉ. मनीषा साँचीहर के क्यूरेशन और इंस्पिरिट आर्ट के सौजन्य से अप्रैल माह में इन सभी कलाकारों की कृतियों को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर दुबई में प्रदर्शित किया जाएगा। **रिपोर्ट/ फोटो : योवंतराज माहेश्वरी**

वेद ज्ञान

इंसान और समस्या

हमने लोगों को जीवन में आने वाली समस्याओं से अक्सर यह कहकर जूझते देखा है कि वे जल्दी से जल्दी सभी समस्याओं से मुक्त होकर जीना चाहते हैं। समस्याओं से संघर्ष की यह आशावादी दास्तान है तो ठीक, क्योंकि एक तो यह लड़ने का हौसला बनाए रखती है और दूसरे यह इंसान को समस्यामुक्त भविष्य के सपने देखने देती है। इस दृष्टिकोण के चलते इंसान जीवन में न तो थकता है और न ही हार मानता है, वह हर समस्या को अंतिम मानकर पूरी शिद्दत से लड़ रहा होता है। एक दूसरा नजरिया भी है जो मानकर चलता है कि जब तक जीवन है तब तक समस्या और संघर्ष हैं, इसलिए ऐसी कल्पना करना ही अव्यवहारिक है कि एक न एक दिन इंसानी जीवन परेशानियों से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। जीवन में समस्याओं को इंसानी शरीर से तुलना करके समझा जा सकता है। इंसान के शरीर में कुछ न कुछ अप्रिय हर समय घट रहा होता है। ऐसा शायद ही कोई समय हो, जब इंसान के शरीर में कोई व्याधि न हो। किसी न किसी प्रकार की छोटी या बड़ी व्याधि इंसानी शरीर में होना आम बात है। व्याधियों से जूझते इंसान के मन में यह आना स्वाभाविक होता है कि अमुक व्याधि आखिरी है और इसके बाद शरीर पूरी तरह व्याधिरहित हो जाएगा। ऐसी भावना इंसान का हौसला तो बढ़ाती है, लेकिन एक के बाद दूसरी व्याधि या समस्या के आने से उसे झटका भी देती है, जो कि सिर्फ हमारी समझ के कारण होता है। हम जीवन में यह समझ कर चल रहे होते हैं कि आखिरकार एक समय व्याधि या समस्यारहित आएगा, जो कि आता नहीं है। यह तो इंसान का हौसला बनाए रखने का एक सांसरिक तरीका भर है। इसलिए इंसान को अपने दिल और दिमाग में यह बैठाकर रखना चाहिए कि व्याधियों और समस्याओं का आवागमन जीवन भर चलता रहेगा, उसे तो बस उनसे जूझने की इच्छाशक्ति दृढ़ रखने की जरूरत है। अब जब इंसान मानसिक तौर पर तैयार होकर बैठ ही गया है किसी भी व्याधि या समस्या से निपटने के लिए तो एक तो उसे नई समस्या या व्याधि के आने से कोई झटका नहीं लगेगा और दूसरे हो सकता है कि उसकी इस आत्मविश्वास रूपी तैयारी के चलते कोई परेशानी उसके जीवन में आए ही नहीं, जैसे कि चोर संतरी को मुस्तैद देखकर उस घर में घुसने की हिमाकत ही न करे।

संपादकीय

हार से जीत की उम्मीद नहीं छोड़ें खिलाड़ी

विश्व कप के अंतिम नतीजों को लेकर बहुत सारे भारतीय खेल प्रेमी निराश हैं, तो कई लोग इसे राजनीतिक नजरिए से भी देख रहे हैं। जिस तरह भारतीय टीम पूरे खेल के दौरान लगातार जीत दर्ज करती रही और हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर देखा गया, कई कीर्तिमान भी बने, उसमें स्वाभाविक ही उम्मीद बनी थी कि भारत विश्व कप जीतेगा। मगर अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए वही टीम कमजोर साबित हुई, तो इसे लेकर निराशा स्वाभाविक है। मगर क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। कब किन स्थितियों में मजबूत टीम भी कमजोर पड़ जाती है, कहना मुश्किल है। कुल मिला कर देखें तो भारतीय टीम का प्रदर्शन अंतिम मैच में भी बुरा नहीं कहा जा सकता। बल्लेबाजी करते हुए उसके तीन खिलाड़ी जल्दी आउट हो गए, इसलिए टीम रक्षात्मक होकर खेलने लगी थी और रनों की दर धीमी पड़ गई। गेंदबाजी और क्षेत्र रक्षण में भी खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मगर जिस तरह लोगों में पहले से उत्साह बना हुआ था और पूरा विश्वास था कि भारतीय टीम ही इस बार का विश्व कप जीतेगी, उस धारणा के चलते बहुत सारे लोग इस मैच को खेल भावना से देख नहीं पाए और निराश हुए। जैसा कि हर हार के बाद कमजोर पक्षों को पहचानने का प्रयास किया जाता है, विश्व कप को लेकर भी अलग-अलग कोणों से इसकी पड़ताल हो रही है। बहुत सारे लोग भारतीय टीम की हार का ठीकरा खराब पिच पर फोड़ रहे हैं, क्योंकि आस्ट्रेलियाई टीम ने इसी वजह से पहले गेंदबाजी का निर्णय किया था। मगर उसी स्टेडियम में पहले भी भारतीय टीम खेल चुकी थी और वह उस पिच के मिजाज से अच्छी तरह वाकिफ थी। इसलिए पिच को दोष देना भी ठीक नहीं माना जा सकता। कई लोगों को इस बात पर हैरानी हो रही है कि आखिर के चालीस ओवरों में भारतीय टीम ने केवल चार चौके लगाए। सत्ताईस ओवरों में एक भी चौका-छक्का नहीं लगा। ऐसा क्या हो गया कि अपराजेय दिखते भारतीय खिलाड़ी इतने सुस्त पड़ गए? इसका बड़ा कारण शुरू में ही तीन खिलाड़ियों के आउट हो जाने से टीम पर पड़ा मनोवैज्ञानिक दबाव माना जा सकता है। इस तरह टीम रक्षात्मक होकर खेलती रही। मगर इसमें आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों के कौशल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को चौके-छक्के जड़ने का मौका बहुत कम दिया। कुछ लोग इसमें सट्टेबाजी का भी अंदेशा जता रहे हैं। चूंकि पहले कुछ मौकों पर ऐसा हो चुका है और उसके चलते कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर गाज भी गिर चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए एक समिति भी बनाई थी। क्रिकेट बोर्ड में राजनीतिक दखलंदाजी बढ़ने से भी भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जताई जाती रही हैं। मगर इन तमाम आरोपों और आशंकाओं के पीछे भावनात्मक खीज अधिक कही जा सकती है। इस तरह आस्ट्रेलियाई टीम की काबिलियत को बहुत कम करके आंकने का प्रयास किया जा रहा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जेंडर भेदभाव

2023 में अर्थशास्त्र का नोबेल जीतने वाली डॉ. क्लाउडिया गोल्डिन ने कहा है, ''हम तब तक लैंगिक समानता हासिल नहीं कर सकते, जब तक कि पति-पत्नी को बराबरी का दर्जा (कपल इक्विटी) नहीं मिल जाता।'' महिलाओं की श्रम बाजार में भागीदारी की हमारी समझ को बढ़ाने के लिए उन्हें नोबेल मिला। उनके काम की अहमियत को इन मायनों में पहचान मिली कि उन्होंने पुरानी मान्यताओं को पलटकर रख दिया, जिसमें ऐतिहासिक रूप से लैंगिक संबंध और आज के दौर में समानता हासिल करने के लिए जरूरी बातें शामिल हैं। पहले माना जाता था कि श्रम बाजार में स्त्री-पुरुषों के लिए बराबर मौकों से आर्थिक विकास एक नए स्तर पर पहुंचेगा। पर उनके शोध में पता चला कि वास्तव में औद्योगिक क्रांति के चलते शादीशुदा महिलाएं श्रम बाजार से बाहर हो गईं क्योंकि उत्पादन घरों से कारखानों में होने लगा। 20वीं सदी में सेवा क्षेत्र के कारण लैंगिक अंतर कम हुआ। 1960 में जब गर्भनिरोधक दवाओं को अनुमति मिली, तब जाकर महिलाओं की श्रम बाजार में भागीदारी फिर से बढ़ी। 1967 और 1979 के दौर के उनके शोध के अनुसार 20 साल की उम्र में रोजगार पाने की दावेदार महिलाओं की संख्या 35 से 80% बढ़ी। उनके काम ने श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका से जुड़ी उम्मीदों पर प्रकाश डाला है। महिलाओं और नियोक्ताओं दोनों की अपेक्षाएं एक भूमिका निभाती हैं। मसलन कर्मचारी, कार्यस्थल पर कितना टिकेंगे, इससे रोजगार की संभावनाएं व वेतन तय होता है। बच्चों का लालन-पालन भी जेंडर गैप बढ़ाता है। अगर पति-पत्नी दोनों की नौकरी में जिम्मेदारियां और वेतन ज्यादा है, जहां काम के घंटे भी ज्यादा हैं, ऐसे में बच्चा होने के बाद महिलाएं ही कम वेतन वाली नौकरी चुनती हैं। क्लाउडिया ने कानून, वित्त और परामर्श जैसी ''लालची नौकरियों'' पर भी प्रकाश डाला, जो लंबे और अनिश्चित घंटों में बेहतर रिटर्न देती हैं। ये नौकरियां भी लैंगिक भागीदारी और वेतन में अंतर को बढ़ा देती हैं। भारत में भी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) अप्रैल-जून 2019 से 2023 तक जेंडर गेप के चलते आय में अंतर की निगरानी कर रहा है। मुख्य निष्कर्षों से पता चला है कि पुरुष सभी तरह के कामों में महिलाओं की तुलना में अधिक कमाते हैं, जिसमें सबसे बड़ा अंतर सेल्फ-एंप्लॉइड लोगों के बीच है। 2023 में सेल्फ एंप्लॉइड पुरुषों ने महिलाओं की तुलना में 2.8 गुना ज्यादा कमाए। जबकि इससे उलट नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों के मामले में यह अंतर 34 से घटकर 24% हो जाता है। वैश्विक स्तर पर महिलाओं के लिए श्रम बल भागीदारी दर का स्तर कम बना हुआ है। भारत में साल 1990 से 2022 के बीच यह 28 से घटकर 24% हो गया है। पीएलएफएस डाटा से पता चलता है कि विवाह, महिलाओं की श्रम भागीदारी को प्रभावित करता है। डॉ. गोल्डिन के काम की अहमियत यह है कि उन्होंने इस पर प्रकाश डाला कि लैंगिक असमानता के समाधान समय व जगह के आधार पर अलग होंगे। ''लालची नौकरियों'' में काम के घंटों को प्राथमिकता देने वाली नौकरियों पर फिर से काम करने की जरूरत है। उच्च आर्थिक वृद्धि वाले काल में विवाहित महिलाओं को श्रम बाजार से जोड़ना बहुत जरूरी है, क्योंकि कामकाजी उम्र की आबादी में उनकी काफी संख्या है। शहरी क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच बराबरी हासिल करने की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

मोबाइल से नवजात पीढ़ी, युवा पीढ़ी में भटकाव

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

आधुनिक संचार क्रांति के युग में युवाओं की सोच रचनात्मक होने की अपेक्षा दूषित हो रही है। युवाओं की दिनचर्या में बदलाव आ गया है। प्रतिस्पर्धा एवं बढ़ती महंगाई के दौर में माता पिता की जिम्मेदारी बढ़ गई है।पति पत्नी दोनों नौकरी कर रहे हैं यह उनका शौक नही बल्कि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवश्यक हो गया है। पति-पत्नी की व्यस्तता, बदलती जीवन शैली एवं नई सोच ने बालक, माता पिता संबंधों को दिशाहीन बना दिया है। आधुनिक संचार क्रांति के लगभग सभी उपकरण परिवार में बच्चों को उपलब्ध रहते है टी.व्ही., डेस्कटॉप, लैपटॉप, टेबलेट, मोबाइल आदि के साथ बचपन में बच्चों का अधिकांश समय व्यतीत होता है। आज के पालकों, अभिभावकों, माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता है कैसे बच्चों को भटकने से बचाया जाये। समय की मांग है कि उन्हें लैपटॉप एवं मोबाइल दिया जाना चाहिए, छोटे छोटे बच्चे जिनकी उम्र दो या तीन वर्ष होती है वे भी जिद करके मोबाइल चलाते हैं। छोटे बच्चे मोबाइल पर कार्टून आँखें गड़ाकर देखते है, नई पीढ़ी की बचपन से ही नेत्र ज्योति कमजोर हो रही है। चश्मा लगाना मजबूरी हो गयी। बच्चे बड़े होकर कम्प्यूटर चलाते हैं, मगर माता-पिता यह नही समझ पाते कि उनका बच्चा कम्प्यूटर का उपयोग करते करते कब अश्लील गतिविधियों या गलत मित्रों के जाल में फंसकर गलत रास्ते पर बढ़ रहा है। सोशल नेट वर्किंग साइट्स या पोर्न साइट्स देखना वहुत आसान है।माता-पिता सोचते हैं शांति है बच्चे कम्प्यूटर से ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। माता-पिता को पता नहीं चलता बच्चे छिपकर कुछ और ही कर रहे हैं। इंटरनेट पर सोशल साइट्स के युवाओं द्वारा उपयोग करने से साइबर अपराध अथवा बुलिंग के प्रकरण बढ़ रहे हैं। एक सर्वेक्षण में अनेक तथ्य प्रकाश में आये हैं। केवल 23% पालकों ने स्वीकार किया कि उनके बच्चे सोशल साइट्स देखते हैं। जबकि 53% बच्चों ने स्वीकार किया कि वे ऐसी साइट्स नियमित रूप से देखते हैं। मेरे एक मित्र ने नाम न बताने की शर्त पर मुझे जानकारी दी उनकी 15 वर्षीय बिटिया घर से बाहर जाने एवं मित्रों से मिलने से कतराने लगी, पहले उन्होंने ध्यान नहीं दिया, एक दिन सुबह उसकी आँखों पर सूजन देखकर चिंतित हुए, बेटी रोते रोते घबरा गई। उन्होंने ने मनोचिकित्सक को बुलाया। मनोचिकित्सक के बार-बार समझाने पर उसने बताया कोई अनजान व्यक्ति उसे अश्लील ई-मेल भेज रहा है और धमकी भरे कॉल कर निरंतर परेशान कर रहा है। उन्होंने ने बेटी का ई-मेल पता बदला तब कई महिनों बाद बेटी सामान्य हुई। एक अन्तर्राष्ट्रीय कंपनी द्वारा कराये गये सर्वे के अनुसार चीन, सिंगापुर के बाद भारत में साइबर बुलिंग की घटनाएं सबसे ज्यादा हो रही हैं। बाल अपराध भी तीव्र गति से बढ़ रहे हैं। छोटे छोटे बच्चे बलात्कार, हत्या, धोखाधड़ी, लूटमार के मामलों में फंस रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार हर वर्ष 95 हजार से एक लाख बाल अपराधी पकड़े जाते है। जिनमें 35 से 40 हजार लड़के और लगभग 2 से 4 हजार लड़कियाँ होती हैं। 20-25 वर्ष पहले तक

बच्चे घर से बाहर मैदान या पार्क में खेलने जाते थे। साइकिल आदि चलाते थे, व्यायाम आदि शारीरक गतिविधियों में व्यस्त रहते थे। मगर अब सब परिवर्तन हो गया है। एक प्रसिद्ध रिसर्च कंपनी द्वारा ने 18 हजार वरिष्ठजनों जिनमें 6500 पालक, अभिभावक थे सर्वे किया। रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा साइबर बुलिंग सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे फेस बुक आदि पर होती है। 32% भारतीय अभिभावकों ने स्वीकार किया कि उनके बच्चों के साथ साइबर बुलिंग हो चुकी है। वर्तमान में पालकों माता-पिता, अभिभावकों को पता है उनके बच्चे साइबर बुलिंग के शिकार हो रहे हैं, अथवा हो गये हैं, वे इसको रोकने, अपने बच्चों को सही मार्ग पर लाने सुनियोजित प्रयास नहीं कर पा रहे हैं। इस सबका दुष्परिणाम यह हो रहा है युवा पीढ़ी का जीवन दिशाहीन हो रहा है अथवा अवसाद डिप्रेशन में है। यहाँ कुछऐसे उपाय सुझाने का प्रयास कर रहे हैं जिनसे पीड़ित को सही मार्ग पर लाया जा सकता है। आपको पता चले कि आपका बेटा या बेटी पोर्न फिल्में देखता है अथवा अश्लील साइट्स देखता है, उसे भूलकर भी न डाटें,उसे अन्य कार्यों में व्यस्त करने का प्रयास करें। बच्चे को एक बार मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से अवश्य मिलाये। उसके मित्रों का पता रखें तथा यह ध्यान रखें कहाँ जा रहा है। किन किन से मिल रहा है। बच्चे का डाटना बंद करें। दूसरे बच्चों से अपने बच्चे किया तुलना न करें इस कार्य से वच्चे के मन में हीन भावना आती है। वर्तमान में परिवार में नवजात दो एक या दो वर्ष का हो जाता है वह अपनी मम्मी से मोबाइल लेकर मोबाइल चलाने लगता है। मम्मी भी अपनी व्यस्तता में सोचती है, अच्छा है परेशान करने की अपेक्षा मोबाइल पर गेम देखता रहेगा। यही से छोटे छोटे बच्चों में मोबाइल की लत बढ़ जाती है। हाल ही में गुना जिले के जामनेर नगर में एक दिल दहला देने बाली घटना हुई। लगभग आठ या नौ वर्षीय बालक ने अपने पिता से मोबाइल मांगा। पिता द्वारा मना करने पर उक्त बालक ने पिता के मूंह में फेविकोल भरकर मूंह बंद किया। फिर चाकू से कई बार हमला कर पिता की हत्या कर दी। आगरा नगर में विराजमान सुप्रसिद्ध क्रांति कारी जैन संत मुनि सुधा सागर जी से उनके लोकप्रिय जिज्ञासा समाधान टी व्ही प्रसारण में गत दिन मोबाइल के बढ़ते दुरुपयोग से बचने मार्गदर्शन चाहा, मुनिराज ने कहा मोबाइल आज हर परिवार में आवश्यक उपकरण बन गया है। परिवार के सभी सदस्य चाहे बड़े हों या छोटे सभी मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। पारिवारिक आत्मीयता, रिश्ते,नाते सभी को मोबाइल ने समाप्त कर दिया है। सुधा सागर जी ने कहा उनके सानिध्य में हर वर्ष जैन श्रावक संस्कार शिविर सितम्बर या अक्टूबर माह में आयोजित किया जा है। शिविर में सारे देश के हजारों जैन बन्धु दस दिन तक धर्म साधना करते हैं। इस शिविर में दस दिन शिविरार्थियों को मोबाइल का उपवास रहता है। मुनि सुधा सागर जी ने आव्हान किया है समाज विशेष कर युवा पीढ़ी को मोबाइल के दुष्परिणामों से बचाने महिने कम के कम चार दिन मोबाइल का त्याग या मोबाइल के उपवास का वृत लेना समय की आवश्यकता है।

नोटः- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

विजय कुमार जैन
पत्रकार राघौगढ़ जिला गुना म.प्र.पिन 473226
मोबाइलः-9425137456
ई मेल :vijayjainpatrakar@gmail.com

सिद्धचक्र मण्डल विधान पूजन का आयोजन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

आज सिद्धचक्र मण्डल विधान मे सुबह 6 बजे सीमा देवी अशोक कुमार बज परिवार, कुबेर निर्मल ललिता कुमारी पहाड़ियां परिवार, यज्ञनायक मीना रमेश पहाड़ियां परिवार, श्रीपाल मुन्नी देवी कमल कुमार सोगानी परिवार ने आदिनाथ शांति नाथ महावीर भगवान का कलशाभिषेक शान्तिधारा करने का पुण्यार्जन किया। पश्चात सभी इंद्र इंद्राणी ने देवशास्त्र गुरु पचमेरू महावीर भगवान पुजन के बाद बहुत ही भक्ति भाव से सिद्ध भगवान के विशेष 36 गुणो की पुजन विधानचार्य विरेन्द्र भैया मंजू दीदी के सानिध्य में संगीतकार सुरज एण्ड पार्टी भरतपुर ने बड़े ही भक्ति भाव से अर्ध समर्पित किए। सायंकाल 6 बजे आरती अहिंसा सर्किल से सभी इन्द्रों व चन्दना बालिका मण्डल द्वारा मन्दिर में आरती की गई दीदी के प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीपाल मैना सुन्दरी नाटक का बहुत रोचक मचन किया गया।

मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए अनूठा आमंत्रण पत्र भेजकर शत प्रतिशत मतदान करने की समाजसेवी डॉ दुर्गा शंकर सैनी की गुहार

कोटा/जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए समाजसेवी डॉ दुर्गा शंकर सैनी द्वारा अनूठा आमंत्रण पत्र भेज रहे है। इस प्रकार का आमंत्रण पत्र राज्य के कई जिलों में वायरल हो रहा है अन्य कई सामाजिक कार्यकर्ता भी इससे प्रेरणा लेकर इस प्रकार के आमत्रण पत्र छपवा कर जगह-जगह बांट रहे हैं। हमारा प्रयास रहेगा प्रत्येक मतदाता तक सोशल मीडिया के माध्यम से अनूठा आमंत्रण पत्र पहुंचे मतदान तिथि तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा मतदान करना हम सब का कर्तव्य है मेरा वोट,मेरा अधिकार,मेरी सरकार राजस्थान के सभी से मतदाताओं से अपील है 25 नवंबर 2023 को मतदान अवश्य करें। **सार्वजनिक स्थानों पर आमंत्रण पत्र के फ्लेक्स डिस्प्ले किए जायेगे:** इस अभियान में समाजसेवी डा दुर्गा शंकर सैनी, सुनील गहलोत, राकेश खींची, हेमंत सुमन, अजय, संजीव जैन सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता सहयोग कर रहे है।

फागी कस्बे में आर्यिका श्रुतमति माताजी,आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में अष्टान्हिका पर्व के दौरान चल रहे श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान पर आज 32 अर्घ्य अर्पित किए गए

विमल जोला. शाबाश इंडिया

फागी। कस्बे में सोमवार से शुरू हुए अष्टान्हिका महापर्व के दौरान आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज की अगुवाई में 20 नवंबर 2023 से 28 नवंबर 2023 तक चल रहे श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान में पूज्यार्थियों के द्वारा भक्ति भाव से आज विधान पर 32 अर्घ्य अर्पित किए गए जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबु गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना बाद विधान प्रारंभ हुआ, मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा तथा मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं ने आर्यिका संघ से मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया, कार्यक्रम में उक्त विधान में पंडित कुमुद जी सोनी अजमेर के द्वारा विभिन्न मंत्रोचारणों के साथ अर्घ्य अर्पित करवाये गये। चातुर्मास समिति के मंत्री मितेश लदाना ने बताया कि कार्यक्रम में आज धर्म चंद, सरवण कुमार, त्रिलोक चंद , संदीप, प्रदीप, राहुल, नवीन, आर्यन जैन गोयल परिवार पीपलू वालों ने महा शांति धारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया उक्त अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,रामवतार कठमाणा, नवरत्न कठमाणा, पंडित संतोष बजाज, महावीर मांदी,धर्म चंद पीपलू, अशोक कागला, राकेश मांदी, मनीष गोधा,त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबु गोधा एवं सुशीला जैन बावड़ी, मुन्ना अजमेरा,संजू कागला ,संगीता कागला , मीरा झंडा, ममता बावड़ी, पिंकी मांदी,मीनाक्षी मांदी,सहित सारे श्रावक श्राविकाएं साथ साथ थे।

सर्व ब्राह्मण महासभा के सुरेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किया अभिवादन

जयपुर. शाबाश इंडिया। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और पूरे विश्व में सनातन का परचम लहरा रहे नरेंद्र मोदी का रोड शो के लिए जयपुर आगमन पर जयपुर एयरपोर्ट पर सर्व ब्राह्मण महासभा के सुरेश मिश्रा ने हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया ।

विश्व में शांति समृद्धि की कामना के लिए क्षीरसागर के जल से की विशेष शांतिधारा

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे मंगलवार को निवाई के बिचला जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के चलते सिद्ध चक्र महामण्डल अनुष्ठान से पूर्व विश्व में शांति और समृद्धि की कामना के लिए क्षीरसागर के जल से विशेष शांतिधारा का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान चन्द्र प्रभुजी सुपार्श्वनाथ जी शांतिनाथ जी एवं पारसनाथ भगवान की विशेष शांतिधारा की। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि पण्डित प्रतिष्ठाचार्य अशोक जैन धानी शास्त्री जबलपुर के निर्देशन में भावना एण्ड पार्टी जबलपुर के मधुर संगीत ध्वनियों द्वारा सोधर्म इन्द्र मूलचंद त्रिलोक चंद जैन धनपति कुबेर इंद्र अरुण कुमार अर्पित कुमार जैन लटुरिया यज्ञनायक महावीर प्रसाद हितेश कुमार जैन छाबड़ा ईशान इंद्र हेमचंद हर्षित कुमार जैन संधी माहेन्द्र इंद्र महेंद्र कुमार नरेंद्र कुमार जैन संधी सानतकुमार इंद्र सूरजमल जैन सोगानी सहित कई इन्द्र इन्द्राणियो को शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। विधान में सभी इंद्र इन्द्राणियो ने मण्डप पर श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर पूजा अर्चना की जिसमें श्रद्धालुओं ने नित्य प्रति पूजा अर्चना, सुपार्श्वनाथ पूजन, शांतिनाथ पूजन के साथ सिद्ध चक्र महामण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना संगीत के साथ की। जौंला ने बताया कि विधान मे पूजार्थियो ने सिद्ध चक्र का पाठ पड़कर तीन लोक के नाथ की परिक्रमा लगाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। सांयकाल श्री जी की विशेष आरती, गुरु भक्ति, शास्त्र सभा एवं महिलाओं द्वारा धार्मिक हाऊजी प्रतियोगिता आयोजित किए गए जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

अहंकार है ज्ञान नाश में सहायक

गुंसी, निवाई। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला - टोंक (राज.) में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के मुखारविंद से होने वाली अभिषेक, शांतिधारा करने का अवसर निर्मल कुमार धुंआ वाले प्रतापनगर जयपुर, विनोद रानपुर वाले कोटा , राजेश गोधा जयपुर देवेन्द्र भाणजा निवाई वालों ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को उद्बोधन देते हुए कहा कि - हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है अहंकार। अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। जब हम कामयाबी की ओर बढ़ते हैं, तो हमारे साथ अहंकार भी बढ़ता है और जब हम असफल होते हैं, तो अहंकार भी उतरता जाता है। जीवन में जिस किसी सफलता से आपको अहंकार पकड़ ले, समझ लेना कि आपके आगे बढ़ने की सीमा खत्म हो चुकी है और अब आप यहां से सिर्फ नीचे जा सकते हैं। जब हम आसमान पर हैं, तो जमीन पर पैर नहीं पड़ते, लेकिन जब हम जमीन पर रहकर आसमान को छूते हैं, तो हमारा धरातल नहीं खिसकता। इसलिए हमें अपने जीवन में अहंकार का द्वार नहीं खोलना चाहिए क्योंकि यह क्रोध को भी बढ़ाता है। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को होने वाले पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ में सम्मिलित होकर इस सुअवसर में साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पिपलोंन में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव जिनबिंब स्थापना समारोह 27 नवंबर से 29 नवंबर तक

पिपलोंन, आगर मध्यप्रदेश. शाबाश इंडिया

चर्या शिरोमणि परम पूज्य आचार्य 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि 108 सुप्रभ सागर जी महाराज एवम मुनि 108 प्रणक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में दिनांक 27 नवंबर से 29 नवंबर तक भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव जिनबिंब स्थापना समारोह का आयोजन श्री 1008 महावीर दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पिपलोन जिला आगर मध्य प्रदेश में आयोजित किया जायेगा। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा को जानकारी देते हुवे मंदिर समिति के विशेष सहयोगी महेंद्र कुमार जैन बाकलीवाल, अध्यक्ष प्रदीप जैन बाकलीवाल, सचिव सुनील जैन,उपाध्यक्ष दिनेश जैन गोधा, सदस्य जिनेद्र जैन ने बताया कि विधि विधान की क्रियाएं अखिलेश शास्त्री द्वारा संपन्न कराई जाएगी संगीत की सुमधुर ध्वनिया अंश जैन एंड पार्टी के द्वारा बिखेरी जायेगी।

एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल का राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंकसिटी जयपुर के होटल जय पैलेस में एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल प्रदेश कार्यालय राजस्थान द्वारा राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन दिनांक 22 नवंबर 2023 को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अरुण कुमार चौधरी रहे। उन्होंने आमंत्रित

अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आर्थिक विकास के साथ ही अपने व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना आवश्यक है। हमें एक दूसरे की मदद करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है। काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश लोधी ने बताया कि इस कार्यक्रम में नई सदी के बदलते भारत की बदलती हुई झलक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे हुए कार्यकर्ताओं में खास तौर पर देखने को मिली। प्रदेश अध्यक्ष ने साइबर सुरक्षा को लेकर भी कई अहम तथ्य बताएं। काउंसिल के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रामनिवास मीना ने बताया कि कार्यक्रम में समस्त जिला अध्यक्षों को काउंसिल के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अरुण कुमार चौधरी की ओर से लैपटॉप वितरित किए गए तथा प्रदेश अध्यक्ष मुकेश लोधी द्वारा मिनी प्रोजेक्टर वितरित किए गए। काउंसिल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संगठन रमेश बोहरा ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रदेश के सभी छोटे बड़े कारोबारियों को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की योजनाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन डॉ प्रदीप कुमार द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया तथा अपने संबोधन में केंद्र सरकार की कई योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल के प्रदेश भर से आए पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंदिर का द्वितीय स्थापना दिवस एवं कलशाभिषेक समारोह का आयोजन

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापूनगर स्थित पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंदिर का द्वितीय स्थापना दिवस एवं कलशाभिषेक समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ने धर्म देशना में कहा कि हर जीव सुख की खोज कर रहा है। जीव पुरुषार्थ तो कर रहा है, लेकिन दिशा गलत की ओर है। सुख कैसे मिलेगा। अपने द्वारा परिवर्तन कर सुधार करना है। मुनिश्री ने कहा कि अपने स्वभाव को बदलो, भीतर की कमियों दोषो को खोज कर परिवर्तन करें। मुनि श्री ने कहा कि स्वयं का निर्माण से देश का निर्माण होगा। अनुशासन प्रिय होना चाहिए। बच्चों को संस्कारवान करना जरूरी है। स्वभाव को बदले, यह गंभीर विषय है। स्वयं को बदलो इसी में सुख है। समाज के प्रबुद्धजनों ने दीप प्रजनन किया। पदम प्रभु महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। बालिकाओं ने भक्ति नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान पांच उपवास करने वाले कमलेश सेठी, सुनीता गोधा ,सुश्री आशिता अग्रवाल, एवं प्रकाश पाटनी, ताराचंद झंझरी, ताराचंद अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, समाज के सबसे वरिष्ठ रूपचंद जैन दंपति, शिक्षा में डॉक्टर जीनियस जैन, प्रफुल्ल जैन, कुशाग्र जैन, प्रखर जैन, दिव्यांशीय जैन, श्री मनीषी गोधा, भूमिका जैन, प्रतिभाओं व उत्कृष्ट सेवाप्रदाता को पगड़ी बनाकर, शाल उड़ाकर, मोमेंट देकर सम्मानित किया। मुनिससघका पाद पक्षालन एवं महिलाओं द्वारा शास्त्र भेंट किया और के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सामाजिक कार्यों व संत का ठहरने के लिए 24 कमरों व एक हाल का निर्माण करने की योजना प्रस्तुत की। जिसमें लिफ्ट का प्रावधान भी होगा। इस उपरांत श्रीजी पर श्रावकों द्वारा अभिषेक एवं मुनि अप्रमित सागर महाराज के मुखारविंद से शांति धारा की। सभी जने गांधोदक लेकर धन्य हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद था।

मित्तल हॉस्पिटल के कर्मचारी 200 प्रतिशत मतदान करेंगे

अजमेर. शाबाश इंडिया

हॉस्पिटल के सीईओ एस के जैन ने कार्मिकों को दिलाई शपथ, जिला स्वीप प्रकोष्ठ के तहत हुआ मतदान जागरूकता कार्यक्रम

अजमेर जिला कलक्टर (निर्वाचन) विभाग के स्वीप प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार को मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अजमेर के सभागार में मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हॉस्पिटल के सीईओ एस के जैन ने सैकंड़ों कार्मिकों को दो सौ प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई। जैन ने कार्मिकों को प्रेरित किया कि वे राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के तहत 25 नवम्बर को सुबह 7 से शाम 6 बजे के मध्य स्वयं तो मतदान करेंगे ही साथ में एक उस व्यक्ति से भी मतदान करवाएंगे जो किन्ही कारणों से मतदान करने जाने का इच्छुक नहीं था किन्तु उनकी प्रेरणा से मतदान कर आया। इस तरह कराया मतदान 200 प्रतिशत होगा। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ भारती दीक्षित का ऐसे जागरूकता अभियान के लिए आभार व्यक्त किया एवं अग्रिम शुभकामनाएं भी दी कि उनके मार्गदर्शन में चल रहे जागरूकता अभियान का परिणाम श्रेष्ठ आएगा और अजमेर का मतदान राज्य का सर्वाधिक होगा। इससे पहले जिला स्वीप टीम सदस्य मीना शर्मा ने कर्मचारियों को मतदान की अहमियत बताई और उन्हें लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर हाल में मतदान करने के लिए जागरूक किया। मीना शर्मा ने यहां जिला कलक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी डॉ भारती दीक्षित का मतदाताओं के नाम संदेश पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन विभाग की ओर से नियुक्त मतदान यूथ आइकान रवि बंजारा ने भी कर्मचारियों को संबोधित कर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मित्तल हॉस्पिटल के सीईओ से आग्रह भी किया वे कर्मचारियों द्वारा मतदान करके ही ड्यूटी पर आने की जांच भी करें। कार्यक्रम में हॉस्पिटल के चिकित्सक, अधिकारी, नर्सिंग, फार्मेसी, हाउसकीपिंग, सुरक्षा गार्ड, फ्रंट ऑफिस, तकनीकी, मेंटेनेंस, चालक एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्मचारियों को मतदान की शपथ दिलाते मित्तल हॉस्पिटल के सीईओ एस के जैन एवं स्वीप प्रकोष्ठ अजमेर की टीम।

लिनस क्लब स्वरा जयपुर की नई कार्यकारिणी का गठन

जयपुर. शाबाश इंडिया

लिनस क्लब स्वरा का दिवाली मिलन समारोह कार्यक्रम मानसरोवर स्थित रिसोर्ट में संपन्न हुआ। अध्यक्ष स्वाति जैन एवं सचिव मोना जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी का गठन एवं दीप्रज्वलन सलाहकार अंजू जैन द्वारा किया गया। निशा शाह ने अध्यक्ष, मानसी गर्ग ने सचिव एवं शिखा बाकलीवाल ने कोषाध्यक्ष का पद संभाला। इस कार्यक्रम में वाइट लिली एवं ग्रीन प्लांट होस्ट ग्रुप रहे। लीडर साधना गोधा एवं अमृता सोनी के अनुसार कार्यक्रम में अध्यक्ष स्वाति जैन द्वारा क्लब के आठ ग्रुप को विभिन्न टाइटल्स से नवाजा गया। बेस्ट ग्रुप का टाइटल मेरिगोल्ड ग्रुप की शिखा बड़जात्या को मिला। अध्यक्ष द्वारा पूरी कमिटी को उपहार भेट किया गया।

जयपुर में ट्रॉपमेट 2023 की हुई शुरूआत

जयपुर. कासं। जयपुर में भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी की जयपुर चैप्टर की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी ट्रॉपमेट 2023 का आयोजन करवाया गया है। तीन दिन चलने वाली इस संगोष्ठी में सूखे प्रदेशों में पिछले कुछ सालों से हो रही सामान्य से ज्यादा बारिश, उसके प्रभाव और जलवायु परिवर्तन पर डिटेल से चर्चा की जाएगी। इसके लिए देशभर के मौसम वैज्ञानिक और जलवायु परिवर्तन से जुड़े सब्जेक्ट पर रिसर्च कर रहे लोगों का डेलीगेशन जयपुर पहुंचा है। जयपुर के बिरला सभागार में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के बारे में जानकारी देते हुए सोसायटी के चेयरमैन प्रोफेसर पी.वी.एस. राजू ने बताया कि पिछले कुछ सालों से लगातार राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में बारिश सामान्य से ज्यादा हो रही है।